विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

जैव विविधता और समृद्धि का धनी है भारत

जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की समृद्धि और विविधता का वर्णन करती है। यह हमारे ग्रह की सबसे जटिल और महत्वपूर्ण विशेषता है। जैव विविधता के बिना जीवन कायम नहीं रहेगा। जैव विविधता में एक पारिस्थितिकी तंत्र में विभिन्न जीवों की संख्या और उनकी सापेक्ष आवृत्तियाँ शामिल हैं। यह विभिन्न स्तरों पर जीवों के संगठन को भी दर्शाता है। जैव विविधता पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व रखती है। यह हमें पोषण, आवास, ईंधन, कपड़े और कई अन्य संसाधन प्रदान करता है। यह पर्यटन के माध्यम से मौद्रिक लाभ भी निकालता है। इसलिए स्थायी आजीविका के लिए जैव विविधता का अच्छा ज्ञान होना बहुत जरूरी है।

हमारा जीवमंडल बहुत सारी विविधताओं से बना है। जैव विविधता दो शब्दों से मिलकर बनी है। जैव का अर्थ है जीवन और विविधता का अर्थ है अनेकता। किसी विशेष आवास में जीवन की संख्या और विभिन्न प्रकार के जीवन रूपों (पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव) को जैव विविधता कहा जाता है। जैव विविधता को बनाये रखने के लिए यह महत्वपूर्ण है की हम अपनी धरती के पर्यावरण को बनाये रखे। जैव विविधता का संबंध मुख्य रूप से अलग-अलग तरह के पेड़ पौधों और पशु-पक्षियों का धरती पर एक साथ अपने अस्तित्व को बनाये रखने से है। लाखों विशिष्ट जैविक की कई प्रजातियों के रूप में पृथ्वी पर जीवन उपस्थित है और हमारा जीवन प्रकृति का अनुपम उपहार है। पेड़-पौधे, अनेक प्रकार के जीव-जंतु, मिट्टी, हवा, पानी, महासागर-पठार, समुद्र-नदियां इन सभी का संरक्षण जरुरी है क्योंकि ये सभी हमारे अस्तित्व एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

जैव विविधताओं से समृद्ध और परिपूर्ण देश है भारत। यहां पर तीन से चार हजार के करीब जैव-प्रजातियां जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। यहां हिमालय जैसा विशाल पर्वत है, तो प्रायद्वीपीय पठार भी है, यहां विशाल मैदान है, तो विस्तृत जल-विस्तार भी हैं। यहां हर क्षेत्र में नदियों का जाल बिछा हुआ है, जबकि दक्षिणी तटवर्ती क्षेत्र में समुद्र का विस्तार है। इसलिए, यहां जलचर, थलचर और उभयचर सभी के जीव-जंतु पाएं जाते हैं और पर्याप्त वर्षा तथा जलवायु की विविधता के कारण विविध प्रकार की वनस्पतियां भी मिलती हैं। भारत में संसार का 2.4 प्रतिशत भू-भाग है जिसके 7 से 8 प्रतिशत भू-भाग पर भिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं। प्रजातियों में भारत स्तनधारियों में 7वें, पक्षियों में 9वें और सरीसृप में 5वें स्थान पर है। विश्व के 11 प्रतिशत के मुकाबले भारत में 44 प्रतिशत भू-भाग पर फसलें बोई जाती हैं। भारत के 23.39 प्रतिशत भू-भाग पर पेड़ और जंगल फैले हुए हैं। दुनियाभर की 34 चिह्नित जगहों में से भारत में जैवविविधता के तीन हॉटस्पॉट हैं- जैसे हिमालय, भारत बर्मा, श्रीलंका और पश्चिमी घाट। यह वनस्पति और जीव जंतुओं के मामले में बहुत समृद्ध है और जैव विविधता के संरक्षण का कार्य करता है। पर्यावरण के अहम मुद्दों में से आज जैव विविधता का संरक्षण एक अहम मुद्दा है। जैविक विविधता के संवर्धन और उसके संरक्षण की बड़ी चुनौती है साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों से लोगों की जरूरतों को भी पूरा करना होता है।

पृथ्वी पर विविध प्रकार का जीवन विकसित हुआ है जो मानव के अस्तित्व में आने के साथ ही उसकी आवश्यकताओं को पूर्ण करता रहा है और आज भी कर रहा है । प्रकृति में अनेकानेक प्रकार के पादप एवं जीव-जन्तु हैं जो परिस्थितिक तन्त्र के अनुरूप विकसित एवं विस्तारित हुए हैं और उनका जीवन चक्र क्रमिक रूप से चलता रहता है जब तक पर्यावरण अनुकूल रहता है।

पृथ्वी पर विविध प्रकार का जीवन विकसित हुआ है जो मानव के अस्तित्व में आने के साथ ही उसकी आवश्यकताओं को पूर्ण करता रहा है और आज भी कर रहा है । प्रकृति में अनेकानेक प्रकार के पादप एवं जीव-जन्तु हैं जो परिस्थितिक तन्त्र के अनुरूप विकसित एवं विस्तारित हुए हैं और उनका जीवन चक्र क्रमिक रूप से चलता रहता है जब तक पर्यावरण अनुकूल रहता है। जैसे ही पर्यावरण में प्रतिकूलता आती है, पारिस्थितिक चक्र में व्यतिक्रम आने लगता है। जीव-जन्तुओं एवं पादपों पर संकट आना प्रारम्भ हो जाता है। यही कारण है कि वर्तमान विश्व में अनेक जैव प्रजातियाँ विलुप्त हो गई हैं और अनकों संकटग्रस्त हैं। जैव विविधता के ह्रास से प्राय: परितंत्र की उत्पादकता कम हो जाती है, जिसके कारण विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं को प्रदान करने संबंधी उनकी क्षमता भी कम हो जाती है।

जिनका हम लगातार उपभोग करते हैं। इससे परितंत्र में अस्थिरता आती है और प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा और तूफान एवं मानव जनित दबावों जैसे प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से लड़ने की क्षमता भी कम हो जाती है। वातावरण में तीव्र गति से होते नकारात्मक बदलाव के कारण बहुत से पेड़-पौधे और पशु-पक्षी विलुप्त हो चुके है जिससे जैव विविधता को बनाये रखने के स्तर में भी काफी गिरावट आई है। इसलिए यह जरुरी हो जाता है की मानव के अस्तित्व को बचाये रखने के लिए और अपने वातावरण की शुद्धता के लिए इन नकारात्मक बदलावों को काबू किया जाये ।

जैव-विविधता से हमारे रोजमर्रा की जरूरतों यथा रोटी, कपड़ा, मकान, ईंधन, औषधियों आदि आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में भी सहायक होती है। पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक स्थिरता, फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ तपन, बाढ़, सूखा, भूमि क्षरण आदि से बचाव के लिए जैव-विविधता संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत है। वर्तमान में मनुष्य का तकनीक की तरफ इतना ज्यादा झुकाव हो गया है वह इसके दुष्परिणाम को भी नहीं समझना चाहता। मानव के लिए यह सही समय है कि वह इस संकट को गंभीरता से ले और वातावरण को शुद्ध बनाने का संकल्प ले।

साफ-सुथरा वातावरण ही समृद्ध जैव विविधता को बढ़ावा दे सकता है। हर एक वनस्पति तथा जीव को रहने योग्य बनाने में अलग-अलग उद्देश्य है। इसलिए हमें अपने वातावरण की शुद्धता को उच्च स्तर तक पहुँचाना है तो जैव विविधता के संतुलन को बनाये रखने पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा। जिससे मानव जाति को जीवनयापन में किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

ज्यों ज्यों दवा दी, मर्ज बढ़ता ही गया!

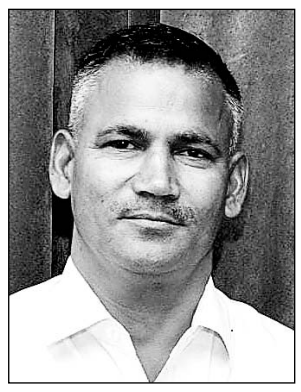

प्रकाश चंद्र शर्मा

भारत में ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी भ्रष्टाचार के बेलगाम ऊंट की नाक में नकेल कसने के लिए लगभग सभी देशों में कड़े कानून लागू हैं। संशोधनों के जरिए साल-दर-साल सख्त किए जा रहे इन कानूनों में भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए नित नए आयाम जोड़े जा रहे हैं। इसके बावजूद भी भ्रष्टाचार का सरपट दौड़ता ऊंट अभी तक काबू वाले पहाड़ के नीचे नहीं आ पाया है। भ्रष्टाचार के इस रंग में न सिर्फ़ राजनेता बल्कि सरकारी अफसर और उनके अधीनस्थ काम करने वाले कर्मचारियों की भी बड़ी तादाद सीधे तौर पर रंगी हुई है। आम चलन में अब भ्रष्टाचार भी एक प्रकार का शिष्टाचार बन चुका है, जहां किसी काम के बदले दी और ली जाने वाली घूस को दोनों ही पक्ष अपना कर्तव्य और अधिकार मानने लगे हैं। भ्रष्ट आचरण से जुड़ा यह कार्य भारी प्रचलन के कारण धीरे-धीरे दो पक्षों के समझौते में तब्दील सा हो चुका है। इसमें एक पक्ष सभ्य कहलाने वाला वह नागरिक होता है, जिसकी किसी कार्य से सम्बंधित पत्रावली किसी सरकारी, अद्धसरकारी या गैर सरकारी दफ्तर में लम्बित होती है। जायज कार्य होने के उपरांत भी यह पक्ष घूस रहित आम रास्ते पर चलने के बजाय पगडंडियों की उस राह को चुनता है, जहां हर कदम पर रिश्वत का राक्षस मुंह फाड़े खड़ा हुआ है। इस पक्ष की स्थिति कमोबेश उस मरीज जैसी होती है, जिसे सरकारी अस्पताल में मुफ्त दिखाने के बजाय डॉक्टर से घर पर फीस देकर उपचार लिखाने पर ही संतुष्टि मिल पाती है। दूसरे पक्ष में वे तमाम घूस-भक्षक हैं, जो अपने दफ्तर के दरवाजे पर हर पल गिद्ध जैसी नजरें टिकाए सिर्फ़ शिकार के इंतजार में रहते हैं। पद पर आसीन होने से पूर्व ईमानदारी, सदाचरण और राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा की शपथ धारण करने वाला यह दूसरा पक्ष वेतन से होने वाली कमाई को शुमार करने के बजाय रिश्वत से होने वाली अनैतिक कमाई को अपना नैतिक अधिकार समझता है और इसी के चलते भ्रष्टाचार से सम्बद्ध तमाम कार्यकलाप अब सर्वस्वीकार्य हो चुके हैं। खास बात यह है कि नैतिकता के पतन को स्थापित करने वाले इस विश्वव्यापी हमाम में सभी लोग नंगे हैं। वर्तमान में कोई भी देश भ्रष्टाचार के दंश से अछूता नहीं है।

भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है-भ्रष्ट आचरण। ऐसा कार्य जो अपने स्वार्थ सिद्धि की कामना के लिए समाज के नैतिक मूल्यों को ताक पर रख कर किया जाता है, भ्रष्टाचार कहलाता है। भ्रष्टाचार भारत समेत अन्य विकासशील देशों में तेजी से फैलता जा रहा है। भ्रष्टाचार के लिए हम देश के राजनेताओं को ही ज़िम्मेदार मानते हैं पर सच्चाई यह है कि देश का आम नागरिक भी भ्रष्टाचार में विभिन्न स्वरूपों में संलिप्त है। वर्तमान में कोई भी क्षेत्र भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है। व्यक्ति का लोभी स्वभाव यानि लालच और असंतुष्टि एक ऐसा विकार है, जो व्यक्ति को बहुत अधिक नीचे गिरने पर विवश कर देता है। यह जानते हुए भी कि मृत्यु के उपरांत वह एक छोटी सी सूई भी अपने साथ नहीं ले जा सकता, व्यक्ति के मस्तिष्क में सदैव ही अपने धन को बढ़ाने की प्रबल इच्छा उत्पन्न होती है। आदत व्यक्ति के व्यक्तित्व में बहुत गहरा प्रभाव डालती है। एक मिलिट्री रिटायर्ड ऑफिसर रिटायरमेंट के बाद भी अपने ट्रेनिंग के दौरान प्राप्त किए अनुशासन को जीवन भर वहन करता है।

व्यक्ति के दृढ़ निश्चय कर लेने पर कोई भी कार्य कर पाना असंभव नहीं होता, वैसे ही भ्रष्टाचार होने का एक प्रमुख कारण व्यक्ति की मनसा (इच्छा) भी है। भ्रष्टाचार देश में लगा वह दीमक है जो अंदर ही अंदर देश को खोखला कर देता है। यह व्यक्ति के व्यक्तित्व का आईना है, जो यह दिखाता है कि व्यक्ति लोभ, असंतुष्टि, आदत और मनसा जैसे विकारों की वजह से कैसे मौके का फायदा उठा सकता है? अपना कार्य ईमानदारी से न करना भ्रष्टाचार है, अत: ऐसा व्यक्ति भ्रष्टाचारी है। समाज में आये दिन इसके विभिन्न स्वरूप देखने को मिलते हैं। भ्रष्टाचार के संदर्भ में यह कहना मुझे अनुचित नहीं लगता, वही व्यक्ति भ्रष्ट नहीं हैं जिन्हें भ्रष्टाचार करने का अवसर नहीं मिला।

भ्रष्टाचार के विभिन्न प्रकार

सरकारी काम करने के लिए कार्यालय में चपरासी से लेकर उच्च अधिकारी तक पैसे लेते हैं। इस काम के लिए उन्हें सरकार से वेतन प्राप्त होता है। ऐसी सूरत में आम नागरिक की मदद करना उनका संवैधानिक दायित्व है। इसके साथ ही देश के नागरिक भी अपना काम जल्दी कराने के लिए उन्हें पैसे प्रलोभन देते हैं, अत: यह भ्रष्टाचार है।

नागरिकों द्वारा टैक्स भुगतान करने हेतु प्रत्येक देश में एक निर्धारित पैमाना तय किया गया है लेकिन कुछ व्यक्ति सरकार को अपने आय का सही विवरण नहीं देते और टैक्स की चोरी करते हैं। यह कार्य भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में अंकित है। शिक्षा तथा खेल के क्षेत्र में घूस लेकर लोग मेधावी व योग्य उम्मीदवार को सीटें नहीं देते बल्कि जो उन्हें घूस दे, उन्हें दे देते हैं।

भ्रष्टाचार के परिणाम

समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार देश की उन्नति में सबसे बड़ा बाधक तत्व है। इसके वजह से गरीब और गरीब होता जा रहा है। देश में बेरोजगारी, घूसखोरी, अपराध की मात्रा में दिन-प्रतिदन वृद्धि होती जा रही है यह भ्रष्टाचार के फलस्वरूप है। किसी देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणवश परिणाम यह है कि विश्व स्तर पर देश के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जाते हैं।

माना कि राजस्थान सबसे भ्रष्ट राज्य है लेकिन भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई का आंकड़ा देखा जाए तो प्रति वर्ष राजस्थान एसीबी भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों पर बड़े पैमाने के साथ शिकंजा कस रही है। राजस्थान में कोई भी ऐसा महकमा नहीं है, जहां भ्रष्टाचार फैलाने वाले बाबू से लेकर बड़े अधिकारी तक एसीबी की गिरफ्त में ना आए हों।

क्या कहते हैं राजस्थान में एसीबी के आंकड़े ?

बिना डीजी के चल रहा है राजस्थान में एसीबी का दफ्तर!

राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भ्रष्टाचार को काफी गंभीरता से लेते हुए एसीबी के आला अधिकारियों को भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों के खिलाफ राजस्थान एसीबी की ताबड़तोड़ कार्रवाई लगातार जारी है। माना कि राजस्थान सबसे भ्रष्ट राज्य है, लेकिन यदि भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई का आंकड़ा देखा जाए तो प्रति वर्ष राजस्थान एसीबी भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों पर बड़े पैमाने के साथ शिकंजा कस रही है। एसीबी के कार्रवाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलेगा कि राजस्थान एसीबी चिकित्सा विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग सहित विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार फैलाने वाले लोगों पर नकेल कसने में लगी हुई है। ट्रैप की कार्रवाई के साथ-साथ एसीबी द्वारा आय से अधिक संपत्ति के मामले में और साथ ही पद के दुरुपयोग के मामलों में भी ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है।

वही वर्ष 2023 में जनवरी माह में जयपुर एसओजी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जैसलमेर में तीन सहायक लेखाधिकारी व झुंझुनूं में पंचायत समिति के विकास अधिकारी को तथा फरवरी माह में जोधपुर में आबकारी निरीक्षक व मार्च माह में झालावाड़ में सरपंच, सहकारिता विभाग, हनुमानगढ़ में क्षेत्रीय उपनिदेशक कृषि, चित्तौड़गढ़ में राजकीय अस्पताल के चिकित्सक, जोधपुर में दो थानाधिकारी, अलवर में पीडब्ल्यूडी का एसई, अप्रेल माह में झालावाड़ में सहकारिता विभाग व तहसीलदार, अजमेर में संभागीय आयुक्त कार्यालय का रीडर, मई माह में झुंझुनूं में स्वास्थ्य विभाग डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर, सिरोही में कोतवाली उप निरीक्षक, उदयपुर में उप निरीक्षक पुलिस व यूडीएच में उच्च अधिकारी, भरतपुर में अतिरिक्त शिक्षा अधिकारी व पीएचईडी में एक्सईएन, जयपुर में नगर निगम का एआरओ, चित्तौड़गढ़ में स्त्री रोग विशेषज्ञ, बांसवाड़ा में सहायक सांख्यिकी अधिकारी, कोटा में दिल्ली पुलिस के एएसआई तथा जून माह में सवाईमाधोपुर में थानाधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एसीबी के आला अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति उनके आसपास भ्रष्टाचार फैला रहा है या फिर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है तो उसकी शिकायत एसीबी मुख्यालय तक अवश्य पहुंचाएं। सूचना देने वाले का नाम एसीबी सदैव ही गुप्त रखती है।

– प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

राकेश जायसवाल ने 64वीं बार रक्तदान किया

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में नेशनल हाईवे नंबर 48 पर स्थित एक निजी हॉस्पिटल में प्रथम सदर थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य में बहरोड क्षेत्र में 24 घंटे अज्ञात लोगों की रक्तदान में मदद करने वाले पीजी कॉलेज बहरोड के रक्तदाता राकेश जयपाल ने रक्तदाता टीम की उपस्थिति में 64 वीं बार रक्तदान कर मिसाल कायम की।

कार्यक्रम के संयोजक योगेंद्र सिंह राघव रहे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में नए सदर थाना बहरोड के पुलिस अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के दौरान संयोजक राघव ने थीम गिव ब्लड एंड सेव लाइफ का उदाहरण पेश करते हुए बताया कि रक्तदान महादान है। सदर थाने के जितेंद्र सिंह शेखावत द्वारा 64वीं बार रक्तदान करने पर राकेश जयपाल को माला पहनाते प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर आमजन को रक्तदान महादान का संदेश देते हुए रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होने की बात कही। इसी दौरान सभी रक्त वीरों का धन्यवाद दिया गया तथा बताया गया कि समाज सेवा में अनेक संस्थाएं लगातार काम कर रही हैं। जिसमें से रक्तदान एक सर्वश्रेष्ठ कार्य है। जिसके चलते कार्यक्रम संयोजक योगेंद्र सिंह द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र मोमेंटो आदि एवं फलाहार भेंट करते हुए रक्त वीरों की सराहना की। वहीं पर्यावरण प्रेमी हरपाल सिंह यादव ने सभी रक्त वीरों की हौसला अफजाई की। इसी दौरान अजीत सिंह द्वारा 26 वीं बार रक्तदान किया गया तथा टीम के उदेश कुमार स्वामी, प्रवीण कुमार, प्रदीप कुमार, जयप्रकाश यादव, प्रदुमन, दीपक, मनीष जांगिड़, सचिन यादव, सीताराम सहित हॉस्पिटल आष्टा स्टाफ एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रक्तदाता राकेश जायसवाल का सम्मान किया।

संस्था प्रधान और स्टाफ के जुनून ने विद्यालय की तस्वीर बदल दी

सादुलपुर, (निसं)। सरकारी विद्यालय का नाम आते ही जहन में टूटी-फूटी बिल्डिंग, छतों से टपकता पानी और बेहाल व्यवस्थाएं नजर आती है, लेकिन तहसील मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर राजगढ उपखंड के ग्रामीण क्षेत्र में एक सरकारी विद्यालय ऐसा है, जो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। मन में कुछ करने का जज्बा और जुनून हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। ऐसा ही कर दिखाया है राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लुटाना मगनी के प्रधानाध्यापक पवन गोठवाल और उनके स्टाफ साथियों ने ग्रामीणों के सहयोग से दो वर्ष से कम समय में स्कूल की तस्वीर और तकदीर दोनों ही बदल दी है।

शिक्षण, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए काम दूसरे स्कूलों के लिए नजीर बन चुका है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा ने बताया कि रा.उ.प्रा.वि. लुटाना मगनी में भवन जर्जर अवस्था में था, जिसकी वजह से नामांकन भी लगातार घट रहा था। ऐसे समय में बाडमेर से स्थानांतरित होकर अगस्त 2021 में प्रधानाध्यापक पवन गोठवाल ने विद्यालय में कार्यग्रहण किया। और इसके साथ ही विद्यालय के दिन बदलने लगे। प्रधानाध्यापक गोठवाल ने और विद्यालय के स्टाफ ने कायाकल्प का बीडा उठाया एवं स्टाफ साथियों व ग्राम पंचायत सरपंच, ग्रामीणों तथा गाँव के युवा साथियों के सहयोग से विद्यालय का कायाकल्प कर दिया। जहां विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में था। वहीं अब दो कमरे जनसहयोग से एवं तीन कमरे ग्राम पंचायत गागडवास की तरफ से जीर्णोद्धार करके तैयार किए गए हैं। पीने के पानी के लिए वाटर कूलर, डिजिटल शिक्षा के लिए एलईडी, प्रोजेक्टर इसके साथ सम्पूर्ण विद्यालय का रंग रोगन, आकर्षक शिक्षा सहायक साम्रगी दीवारों पर लिखवाई है। शिक्षक चाह जाएं तो स्कूल का माहौल बदल सकता है। ऐसा ही कुछ प्रयास विद्यालय के स्टाफ साथियों और संस्था प्रधान ने और उसमें सहयोग दिया ग्रामीणों और गाँव के युवा सथियों सभी ने मिलकर स्कूल की तस्वीर ही बदल दी। स्कूल और शिक्षा व्यवस्थाओं सुधारने के जुनून के साथ इन्होनें सरकारी स्कूल का कायाकल्प ही कर दिया। डेढ साल में इस स्कूल की तस्वीर बदल कर नजीर पेश की है। यही वजह है कि स्कूल में नामांकन बढ रहा है।

स्कूल की दशा सुधारने के लिए पहले भामाशाहों की मदद के साथ खुद एवं स्टाफ ने भी लगाए पैसे:- पूरे स्कूल का रिनोवेशन किया गया। इस काम में भामाशाहों की मदद तो ली ही गई साथ ही विद्यालय का स्टाफ ओमप्रकाश, अशोक सहारण, किरण स्वामी, रंजना, उषा और संस्था प्रधान भी पीछे नहीं रहे। विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए स्कूल में पौधे लगाए गए, जिससे स्कूल में हर तरफ हरियाली फैली हुई है। स्कूल भवन के रंग रोगन से सूरत बदलने के साथ ही दीवारों पर आकर्षक ढंग से बालिका शिक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वच्छता संबंधी संदेश अंकित किए गए।

बिजली जाने पर बच्चों की पढाई बाधित नहीं हो इसलिए डबल बैटरी इन्वर्टर की व्यवस्था भी की गई है। खास बात यह है कि स्कूल के बदलते स्वरूप को देखते हुए अभिभावक भी मदद के लिए आगे आने लगे है।

बबलेश शर्मा सीबीइओ राजगढ का कहना है कि प्रधानाध्यापक पवन गोठवाल की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है। इनका विद्यालय के प्रति समर्पण, त्याग, विद्यालय के प्रति लगाव, जोश, जज्बा तारीफ ए काबिल है। ग्रीष्मावकाश में भी लगातार आप विद्यालय में जाकर विद्यालय की सेवा कर रहे हैं ये प्रशंसनीय एंव अनुकरणीय है। अल्प समय के कार्यकाल में इन्होंने विद्यालय की कायापलट कर दी। आप ने साबित कर दिया यदि इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति बहुत कुछ कर सकता है। ये तन, मन, धन से विद्यालय की सेवा में लगे हुए हैं। इनकी इसी कार्यशैली से इनके फरवरी माह में जन्मदिन पर 252 यूनिट रक्तदान और अपने पूर्व पदस्थापन स्थान बाडमेर के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी, जो आज भी इनको उतने ही स्नेह से याद कर रहे हैं। आपकी कार्यशैली को सैल्यूट करते हैं। सभी शिक्षकों, संस्था प्रधानों के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। आपके जोश, जज्बे को सलाम।

पवन गोठवाल प्रधानाध्यापक राउप्रावि लुटाना मगनी का कहना है कि जिस स्थान पर हम काम करते हैं उसे यदि अपना मान कर काम किया जाए तो नामुमकिन कुछ भी नहीं है। जब मैंने इस स्कूल का कार्यभार संभाला तो मेरी स्वर्गीय पूजनीय माताजी के आशीर्वाद से मन में चाह थी कि जहां काम कर रहा हूं उस स्थान के लिए कुछ कर सकूं। इसी सोच के साथ प्रयास किया, आदरणीय सीबीइओ सर पीओ सर के मार्गदर्शन में स्टाफ एंव ग्रामीणों सरपंच साहब और युवा साथियों ने मदद की और परिणाम आपके सामने हैं।

ओमप्रकाश खरबास शिक्षक स्टाफ का कहना है कि संस्था प्रधान और समस्त स्टाफ ने मिलकर और समस्त ग्रामवासियों और सरपंच के सहयोग से विद्यालय को बेहतरीन बनाने की कार्ययोजना बनाई और आज हम सब का सपना साकार हुआ।

राज. उच्च प्राथमिक विद्यालय लुटाना मगनी के प्रधानाध्यापक और उनके स्टाफ साथियों ने ग्रामीणों के सहयोग से स्कूल की कायापलट की।

- **स्कूल की दशा सुधारने के लिए पहले भामाशाहों की मदद के साथ खुद एवं स्टाफ ने भी लगाए पैसे**
- **राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लुटाना मगनी इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है**

राशिफल गुरूवार 15 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र दिन 2:12 तक, सुकर्मा योग रात्रि 2:02 तक, तैतिल करण प्रात: 8:33 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:33 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग दिन 2:12 से सूर्योदय तक है। आज आषाढ़ संक्रान्ति है। सूर्य मिथुन राशि में सांय 6:161 से प्रवेश करेगा। पुण्य काल दिन 11:52 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, राज्य संक्रांति है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:14 तक, चर 10:44 से 12:27 तक, लाभ-अमृत 12:27 से 3:52 तक, शुभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष

वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। शुभ-मांगलिक कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।